



मेरी खेती

दिसंबर 2025 | मूल्य: ₹49

www.merikheti.com

विषय सूची

सम्पादकीय

सलाहकार मंडल

खेत खलिहान 05 - 12

मशीनरी 12 - 26

पशुपालन-पशुचारा 26 - 30

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :
91-9899991906, 91-8800777501

संपादकीय

सर्दियों के मौसम में रबी फसलों और पशुओं की विशेष देखभाल – किसान की दोहरी जिम्मेदारी

सर्दियों का आगमन सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि खेती-बाड़ी और पशुपालन में नई चुनौतियों का आगाज भी है। रबी फसलें जैसे गेहूं, चना, सरसों, जौ और मटर इस मौसम में अपनी विकास यात्रा के सबसे संवेदनशील दौर से गुजरती हैं। तापमान में गिरावट, कोहरा, पाला और नमी का असमान स्तर फसलों की बढ़वार को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में हर किसान के लिए आवश्यक है कि वह फसलों की रक्षा के साथ-साथ उत्पादन बढ़ाने के लिए सही प्रबंधन अपनाए।

इसी तरह पशुपालन भी सर्दियों में अतिरिक्त देखभाल मांगता है। तापमान कम होने से दुधारू पशुओं की दूध उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। ठंड से बचाव, पौष्टिक आहार, स्वच्छता और समय पर टीकाकरण—ये सभी उपाय पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए अत्यंत जरूरी हैं। एक स्वस्थ पशु न केवल किसान की आय बढ़ाता है, बल्कि खेती में मेहनती साथी की तरह महत्वपूर्ण योगदान भी देता है।

इस विशेषांक में हम आपके लिए लाए हैं सर्दियों में रबी फसलों की सुरक्षा, पाले से बचाव, सिंचाई प्रबंधन, रोग-कीट नियंत्रण और उर्वरक उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ। साथ ही पशुओं को ठंड से बचाने, उनके आहार प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल और डेयरी उत्पादन बढ़ाने के व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं।

हमारी कोशिश है कि यह जानकारी किसानों को मौसम की चुनौतियों से निपटने और अपनी मेहनत का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करे। चाहे फसल हो या पशु—दोनों ही किसान की ताकत हैं, और दोनों की सही देखभाल ही खुशहाली की नींव है।



श्री दिलीप यादव
संपादक, मेशखेती

सलाहकार मंडल



श्री छेदालाल पाठक
संरक्षक मार्गदर्शक



कृष्ण पाठक
फाउंडर, मेरीछेती



डॉ. एम सी शर्मा
सेवानिवृत्त निदेशक एवं कुलपति आईवीआरआई
इज्जतनगर



प्रो. ए पी सिंह
पूर्व कुलपति, वेटरनरी विश्व विद्यालय,
मथुरा



डॉ. एस. के. गर्ग
कुलपति राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ
वेटरनरी एंड एनिमल साइंस



डॉ. हरि शंकर गौड़
पूर्व कुलपति एसबीबीपीयूएटी, मेरठ, साइटेस्ट,
गलगोटिया विश्वविद्यालय



डॉ. ओमवीर सिंह
निदेशक बीज प्रमाणीकरण (सेवानिवृत्त)
उत्तर प्रदेश



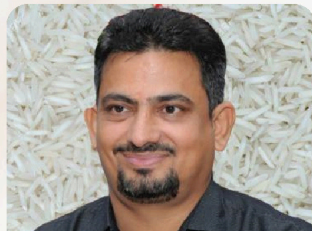
डॉ. उदय भान सिंह
डीन कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर,
राजस्थान



डॉ. अनिल कुमार सिंह
प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा



डॉ. एसके सिंह
प्रोफेसर सह मुख्य वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा बिहार



डॉ. रितेश शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक, बासमती निर्यात विकास फाउंडेशन
(एपीडा, खाणिक्य मंत्रालय, भारत सरकार)



डॉ. सी बी सिंह
एक्स - सीनियर साइटेस्ट, IARI, पूसा



तेजपाल सिंह
प्रगतशील किसान



गेहूं की टॉप 10 किस्मों से किसान बढ़ा सकते हैं 80 क्विंटल तक पैदावार - जानें, पूरी जानकारी

गेहूं की किस्मों से सूखी और नम दोनों जमीनों पर मिलेगी बेहतरीन पैदावार

रबी सीजन के दौरान किसान अधिक उपज पाने के लिए ऐसी गेहूं की किस्में खोजते रहते हैं, जो कम लागत में बेहतर उत्पादन दें। अच्छी किस्म चुनना ही अधिक पैदावार और लाभ का पहला कदम होता है। ऐसे में गेहूं की कई उन्नत किस्में विकसित की गई हैं, जो न केवल उच्च उपज देती हैं, बल्कि रोगों के प्रति सहनशील, जल्दी पकने वाली और गुणवत्ता में भी श्रेष्ठ हैं। यहां हम आपको गेहूं की टॉप 10 उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिनकी पैदावार किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

1. एच आई 8759 (पूसा तेजस)

यह किस्म मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान के कोटा और उदयपुर क्षेत्र, तथा उत्तर प्रदेश के झांसी मंडल के लिए उपयुक्त है।

- उपज क्षमता: 56.9 से 75.5 क्विंटल/हेक्टेयर

- परिपक्वता समय: लगभग 117 दिन
- खासियत: यह किस्म काले और भूरे रतुए जैसे फफूंद रोगों से अच्छी तरह लड़ पाती है तथा उच्च तापमान को भी सहन कर लेती है।

2. एच डी 3236

यह किस्म पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए लाभकारी है।

- उपज क्षमता: 57.5 से 79.6 क्विंटल/हेक्टेयर
- परिपक्वता समय: 142 दिन
- गुणवत्ता: इसमें लगभग 12.8% प्रोटीन पाया जाता है।
- रोग प्रतिरोध: यह किस्म कनाल बंट, फ्लैग स्मट आदि रोगों का सामना करने में सक्षम है।

3. एच डी 3249

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम के किसान इस किस्म से अच्छा लाभ उठा

सकते हैं।

- उपज क्षमता: 48.8 से 65.7 क्विंटल/हेक्टेयर
- पकने का समय: मात्र 122 दिन
- पोषण महत्व: इसमें 10.7% प्रोटीन और 42.5 ppm आयरन पाया जाता है, जिससे यह पोषक की दृष्टि से काफी उपयोगी है।

4. एच आई 1636 (पूसा वकूला)

- यह किस्म मुख्यतः मध्य भारत के कृषि क्षेत्रों में अधिक सफल है।
- उपज क्षमता: 56.6 से 78.8 क्विंटल/हेक्टेयर
- परिपक्वता: लगभग 119 दिन
- खासियत: यह रोग प्रतिरोधी होती है तथा इससे बनी चपाती और बिस्कुट का स्वाद व गुणवत्ता बेहतरीन होती है।

5. एच डी 3406 (उन्नत एचडी 2967)

- उपज क्षमता: 54.7 से 70.4 क्विंटल/हेक्टेयर
- रोग प्रतिरोध: करनाल बंट, पत्ती झुलसा और पीली रतुआ जैसे रोगों से सुरक्षा
- विशेषता: दाने बड़े, चमकदार और भरे हुए होते हैं, जिससे आटे की गुणवत्ता बढ़ जाती है।

6. एच डी 3369

यह किस्म विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में आसानी से अनुकूल हो जाती है।

- उपज क्षमता: 50.6 से 71.4 क्विंटल/हेक्टेयर
- परिपक्वता समय: 149 दिन
- रोग प्रतिरोध: यह पत्ती झुलसा, करनाल बंट और रतुआ रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है।

7. एच आई 1650 (पूसा ओजस्वी)

- उपज क्षमता: 57.2 से 73.8 क्विंटल/हेक्टेयर
- पकने का समय: केवल 118 दिन (कम अवधि वाली किस्म)
- गुणवत्ता: दाने चमकदार और मोटे होते हैं, जिससे आटा बहुत अच्छा बनता है।

8. एच आई 1653 (पूसा जागृति)

- उपज क्षमता: 51.1 से 69.3 क्विंटल/हेक्टेयर
- परिपक्वता समय: लगभग 148 दिन
- रोग प्रतिरोध: करनाल बंट, पत्ती झुलसा, भूरे और पीले रतुए से सुरक्षा प्रदान करती है।

9. एच आई 1654 (पूसा आदिति)

- उपज क्षमता: 51.8 से 72.9 क्विंटल/हेक्टेयर
- परिपक्वता: 148 दिन
- खासियत: कम सिंचाई में भी अधिक उपज देती है तथा सूखा सहनशील है।

10. एच आई 8826 (पूसा पौष्टिक)

- उपज क्षमता: 48.8 से 73.7 क्विंटल/हेक्टेयर
- पकने का समय: केवल 108 दिन
- पोषण महत्व: इस किस्म में जिंक, आयरन और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है।
- रोग प्रतिरोध: करनाल बंट, पत्ती झुलसा और रतुआ रोगों से फसल की रक्षा करती है।

सही किस्म का चयन, उचित समय पर बुवाई, संतुलित खाद प्रबंधन और रोग नियंत्रण अपनाकर किसान प्रति हेक्टेयर 70 से 80 क्विंटल तक गेहूं की उपज प्राप्त कर सकते हैं। इन उन्नत किस्मों का उपयोग कर किसान न केवल उत्पादन बढ़ा सकते हैं, बल्कि बाजार में अच्छी गुणवत्ता का दाना प्राप्त कर बेहतर लाभ अर्जित कर सकते हैं।



MASSEY FERGUSON



MASSEY FERGUSON
254 DYNASMART

गेहूं की बुआई को लेकर भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान की महत्वपूर्ण सलाह

गेहूं की बुआई को लेकर भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान की महत्वपूर्ण सलाह

रबी मौसम में गेहूं एक अत्यंत महत्वपूर्ण फसल है और इस समय गेहूं की बुआई का उपयुक्त दौर चल रहा है। किसानों की आय बढ़ाने और कम लागत में अधिक उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल ने कुछ आवश्यक सुझाव दिए हैं। संस्थान के अनुसार इस समय तापमान और वातावरण बुवाई के लिए एकदम अनुकूल है। इसलिए किसान बुआई का समय न चूकें और अपने क्षेत्र के अनुसार उपयुक्त किस्मों का चयन करें। संस्थान ने विशेष रूप से यह सलाह दी है कि किसान बीज केवल विश्वसनीय और प्रमाणित स्रोतों से ही खरीदें।

गेहूं की बुवाई का उपयुक्त समय

संस्थान के अनुसार गेहूं की अगेती बुआई (Early cultivation of wheat) नवंबर के पहले सप्ताह तक की जाती है, जबकि समय पर बुआई के लिए 20 नवंबर तक का समय उपयुक्त माना जाता है। देरी से बुआई करने पर पौधों की वृद्धि एवं दानों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, साथ ही गर्मी बढ़ने पर दानों के भराव पर भी असर पड़ता है।

सामान्य सावधानियां और खेती की तकनीकी सलाह

किसानों को अपने क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी की स्थिति के अनुसार ही किस्मों का चयन करना चाहिए। रोगों से बचाव के लिए दूसरे क्षेत्रों की किस्मों को न अपनाने की सलाह दी जाती है। धान कटाई के बाद खेत में पराली की उपस्थिति की स्थिति में हैप्पी सीडर या स्मार्ट सीडर मशीनों का उपयोग करके सीधे गेहूं की बुआई करना लाभकारी है। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहता है और पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होता। बुआई से पहले बीजों का उपचार करना बेहद जरूरी है जिससे लूज स्मट, फ्लैग स्मट, करनाल बंट और सीडलिंग ब्लाइट जैसे बीज एवं मृदा जनित रोगों से फसल की सुरक्षा की जा सके। इसके लिए कार्बोक्सिन 75 WP, कार्बेन्डाजिम 50 WP या टेबुकोनाजोल 2DS जैसे फफूंदनाशकों का निर्धारित मात्रा में उपयोग करना चाहिए। ध्यान रहे कि उपचारित बीज केवल बुआई के लिए ही उपयोग किए जाएं, इन्हें पशु चारे या भोजन में प्रयोग न करें। खेती में उर्वरकों का प्रबंधन भूमि परीक्षण के आधार पर करना

चाहिए। सिंचाई समय पर और आवश्यकता अनुसार ही करें, अत्यधिक सिंचाई लागत बढ़ाती है और पौधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

क्षेत्रवार गेहूं की उपयुक्त किस्में

देश के विभिन्न कृषि-आबोहवा क्षेत्रों के अनुसार गेहूं की अलग-अलग किस्में अनुशंसित की गई हैं।

- उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र (हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी यूपी, राजस्थान) के किसान DBW 187, DBW 222, PBW 826, HD 3086, HD 3411, WH 1105 आदि किस्मों का चयन कर सकते हैं।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं बंगाल में DBW 187, PBW 826, HD 3086, K 1006, DBW 252 तथा HD 3411 जैसी किस्में अच्छा उत्पादन देती हैं।
- मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में DBW 303, HI 1636, HI 8759, MACS 6768, JW 366 जैसी किस्में उपयुक्त हैं।
- महाराष्ट्र और कर्नाटक के किसानों को MACS 6478, PBW 891, DBW 168 एवं UAS 304 जैसी किस्मों की अनुशंसा की गई है।

बीज दर और उर्वरक प्रबंधन

समय पर बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त माना जा रहा है। नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटैश की मात्रा क्षेत्र एवं सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार बदलती है। सामान्यतः सिंचित फसल के लिए 150:60:40 किलोग्राम NPK प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा बुआई के समय और शेष दो किश्तों में पहली और दूसरी सिंचाई के दौरान दें। फॉस्फोरस और पोटैश को बुआई के समय ही मिट्टी में मिला देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण हेतु सलाह

कुनकी (फ्लरिस माइनर) और अन्य खरपतवारों पर नियंत्रण के लिए बुआई के 0 से 3 दिन के अंदर पाइरोक्सासल्फोन 85 WG या पेंडामेथालिन 30 EC

का छिड़काव करना प्रभावी होता है। इसके अलावा तैयार मिश्रण शाकनाशी जैसे ऐक्लोनिफेन + डाईफ्लुफेनिकन + पाइरोक्सासल्फोन का उपयोग भी लाभकारी है। कठिया गेहूं में पाइरोक्सासल्फोन आधारित शाकनाशियों से बचने की सलाह दी गई है।



सरसों की फसल में रोग और कीटों का बढ़ता प्रकोप: कृषि विश्वविद्यालय की अहम सलाह, ऐसे करें बचाव

देशभर में रबी सीजन के दौरान सरसों किसानों की प्रमुख नकदी फसल होती है। यह फसल तेल उत्पादन और अच्छे मुनाफे के लिए जानी जाती है। हालांकि इस साल कई राज्यों में अनियमित बारिश और मौसम की अस्थिरता के चलते बुवाई में देरी हुई है, जिससे फसल में कीट और रोगों का खतरा बढ़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने किसानों को समय रहते सावधान रहने और फसल प्रबंधन के लिए जरूरी निर्देश जारी किए हैं।

विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार अत्यधिक नमी और कम तापमान के कारण सरसों की फसल में फफूंद जनित रोग और कीटों के फैलने की संभावना अधिक है। इसलिए किसान शुरुआती अवस्था से ही फसल की नियमित निगरानी करें और लक्षण दिखाई देने पर तुरंत आवश्यक कदम उठाएं।

जड़ गलन रोग (Root Rot) से करें बचाव

फसल में पौधों का अचानक मुरझाना और सूखना जड़ गलन रोग का संकेत है। जड़ों के पास सफेद फफूंद दिखाई देना इसका प्रमुख लक्षण है। यह रोग Fusarium, Rhizoctonia और Sclerotium फफूंदों के कारण फैलता है।

नियंत्रण उपाय:

- कार्बेन्डाजिम 0.1% घोल (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- छिड़काव के दौरान पौधों और मिट्टी दोनों को अच्छी तरह तर करें।
- रोग अधिक होने पर 15 दिन बाद दोबारा छिड़काव करें।

फूलिया रोग (Downy Mildew) की पहचान और नियंत्रण

अगर सरसों की पत्तियों के नीचे सफेद फफूंद दिखाई देने लगे और पत्तियां पीली होकर सूखने लगे, तो यह फूलिया रोग है।

नियंत्रण उपाय:

- मैकोजेब (डाइथेन एम-45) या मेटलैक्सिल 4% + मैकोजेब 64% (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- यदि फसल में जड़ गलन और पत्तियों के धब्बे दोनों दिख रहे हों, तो कार्बेन्डाजिम 0.1% + मैकोजेब 0.25% का टैंक मिक्स घोल बनाकर छिड़काव करें।
- आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करें।

चितकबरा कीट (Painted Bug) से अनावश्यक छिड़काव से बचें

सरसों की शुरुआती अवस्था में चितकबरा कीट पत्तियों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन इस बार ठंड अधिक होने के कारण इसकी सक्रियता कम है।

विश्वविद्यालय की सलाह:

- बिना आवश्यकता कीटनाशक का छिड़काव न करें।
- अनावश्यक छिड़काव से लागत बढ़ती है और लाभकारी कीट भी नष्ट होते हैं।

सिंचाई और मुरझाने की समस्या का समाधान

फसल में पत्तियों का मुरझाना और पौधों की कमजोरी अधिक नमी या जलभराव के कारण होती है।

उपाय:

- बहुत हल्की सिंचाई करें और यदि मिट्टी में नमी अधिक हो तो पहली सिंचाई 10 दिन बाद करें।
- मुरझाने या पीलापन दिखने पर कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) + स्टेप्टोसाइक्लीन (0.3 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- इससे पौधों की रिकवरी तेज होगी और रोग का प्रसार रुकेगा।

अत्यधिक नुकसान की स्थिति में करें पुनः बुवाई

अगर किसी खेत में पौधे अधिक मर गए हों, तो किसान 10 नवंबर तक पुनः बुवाई कर सकते हैं।

सुझाव:

- प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें।
- बीजों को बुवाई से पहले कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

विशेषज्ञों की सलाह

विश्वविद्यालय ने किसानों से कहा है कि इस बार की फसल मौसम की अनिश्चितता के कारण विशेष देखभाल की मांग कर रही है। किसान खेतों का नियमित निरीक्षण करें, कीट और रोगों की पहचान

करें, और आवश्यकता अनुसार ही रासायनिक छिड़काव करें। अगर किसान इन वैज्ञानिक सुझावों को समय पर अपनाते हैं, तो वे सरसों की फसल को बड़े नुकसान से बचा सकते हैं। संतुलित सिंचाई, बीज उपचार, और रोग प्रबंधन अपनाकर किसान अपनी उपज को सुरक्षित और अधिक लाभदायक बना सकते हैं।



किसानों के लिए खुशखबरी: 50 लाख किसानों को मिलेगा ₹1000 करोड़ से अधिक का मुआवजा

राज्य सरकार का बड़ा फैसला - 31 जिलों के किसानों को मिलेगा कृषि अनुदान

देश में हर साल अनियमित मौसम के कारण लाखों किसानों की फसलें बर्बाद हो जाती हैं। वर्ष 2025 में भी भारी वर्षा और बाढ़ जैसी परिस्थितियों ने कई राज्यों में खरीफ फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचाया। अब राज्य सरकार ने इन प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार 50 लाख से अधिक किसानों के बीच ₹1000 करोड़ से अधिक की मुआवजा राशि वितरित करेगी। यह निर्णय किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने और उन्हें पुनः

खेती के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

अतिवृष्टि से हुआ भारी नुकसान

राजस्थान में इस वर्ष औसत से लगभग दोगुनी बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने। धान, मूंग, उड़द, सोयाबीन और मक्का जैसी खरीफ फसलें खेतों में ही सड़ गईं। फसलों के भारी नुकसान की गिरदावरी रिपोर्ट सामने आने के बाद सरकार ने तत्काल राहत योजना को मंजूरी दी, ताकि प्रभावित किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता मिल सके।

31 जिलों के किसानों को मिलेगा राहत पैकेज

राज्य सरकार ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF) से कृषि अनुदान वितरण की मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से किसानों को सीधे वित्तीय सहायता मिलेगी और वे दोबारा खेती शुरू कर पाएंगे। राहत राशि का लाभ अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, जोधपुर, नागौर, श्रीगंगानगर, सवाई माधोपुर, राजसमंद, बांसवाड़ा, ब्यावर, बालोतरा समेत अन्य प्रभावित जिलों के किसानों को मिलेगा।

राहत राशि शीघ्र वितरण के निर्देश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि राहत राशि वितरण की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए ताकि किसानों को समय पर सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को राहत देने में कोई देरी नहीं करेगी। पहले जहां किसानों को मुआवजा मिलने में 2 से 3 साल लग जाते थे, वहीं वर्तमान सरकार ने त्वरित राहत वितरण प्रणाली लागू की है, जिससे राशि सीधे किसानों तक पहुंच सके।

12 जिलों के 7,451 गांव अभावग्रस्त घोषित

राज्य सरकार ने एक नई अधिसूचना जारी कर 12 जिलों के 7,451 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया है, जहां 33% या उससे अधिक फसल खराबा दर्ज हुआ है। इन किसानों को कृषि आदान-अनुदान के रूप में सहायता दी जाएगी। यह प्रावधान 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। इन जिलों में बांसवाड़ा, ब्यावर, डूंगरपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, नागौर, राजसमंद, डीडवाना-कुचामन, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, बालोतरा और चित्तौड़गढ़ शामिल हैं। आपदा प्रबंधन विभाग की उप शासन सचिव शैफाली कुशवाहा के अनुसार, इस निर्णय से 98 तहसीलों के हजारों किसानों को सीधी राहत मिलेगी।

सरकार किसानों को तुरंत राहत देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाना है। अतिवृष्टि से प्रभावित हर किसान तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में “स्मार्ट सर्वे”, “डिजिटल गिरदावरी” और “त्वरित भुगतान प्रणाली” पर काम कर रही है, जिससे भविष्य में किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों को तुरंत मुआवजा मिल सके।

किसानों में खुशी की लहर

राज्य सरकार के इस निर्णय से किसानों में खुशी की लहर है। लंबे समय बाद किसानों को समय पर मुआवजा राशि मिल रही है। किसानों का कहना है कि यह कदम उनके “खेत और पेट दोनों को राहत” देगा। राजस्थान सरकार का यह फैसला किसानों के प्रति उसकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 31 जिलों के 50 लाख किसानों को ₹1000 करोड़ का अनुदान और 12 जिलों के 7,451 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करना निश्चित रूप से लाखों किसानों के जीवन में राहत और उम्मीद की नई किरण लेकर आया है।



जॉन डियर के टॉप 3 ट्रैक्टर - जानें, ट्रैक्टर की कीमत, फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

2025 में खरीदें ये 3 सबसे ज्यादा बिकने वाले जॉन डियर ट्रैक्टर

भारत में जॉन डियर अपनी उन्नत तकनीक, आधुनिक फीचर्स और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। कंपनी के ट्रैक्टर न सिर्फ भारतीय किसानों की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि दुनिया भर में भी अपनी शक्ति, टिकाऊपन और ईंधन दक्षता के कारण लोकप्रिय हैं। इस लेख में हम आपको जॉन डियर के टॉप 3 सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले ट्रैक्टर मॉडलों की विस्तृत जानकारी देंगे, ताकि आप अपनी खेती, बागवानी या व्यावसायिक जरूरतों के लिए सही ट्रैक्टर का चयन कर सकें।

1. जॉन डियर 5050 डी

जॉन डियर 5050 डी ट्रैक्टर 50 एचपी के शक्तिशाली इंजन के साथ आता है। ट्रैक्टर के इंजन की क्यूबिक कैपेसिटी 2900 cc है, इंजन 21,00 ERPM जनरेट करता है। इसका इंजन 3 सिलेंडर के साथ पेश किया गया है। ट्रैक्टर में ड्यूल एलिमेंट

के साथ ड्राई टाइप एयर फ़िल्टर दिया गया है। ट्रैक्टर में 8 फॉरवर्ड और 4 रिवर्स गियर का गियरबॉक्स है जो कलशाफ्ट के साथ दिया गया है। तेल में डूबे डिस्क ब्रेक्स और पावर स्टीयरिंग इस ट्रैक्टर में दिया गया है। इस ट्रैक्टर की पीटीओ पावर 42.5 hp की दी गयी है। ट्रैक्टर में आगे के टायर 6.00 x 16 के और पीछे के टायर 14.9x28 के दिए गए हैं। जॉन डियर 5050 डी ट्रैक्टर पर कंपनी की ओर से 5000 hrs या 5 साल की वारंटी प्रदान की गई है। जॉन डियर 5050 डी ट्रैक्टर की कीमत ₹ 8.66 - 9.02 लाख रूपए तक है।

2. जॉन डियर 5210

जॉन डियर 5210 50 एचपी का ट्रैक्टर है जिसके इंजन में 3 सिलेंडर होते हैं। यह ट्रैक्टर अच्छी पावर देता है, कम डीज़ल खर्च करता है और खेती में बढ़िया प्रदर्शन करता है। इसमें 9 Forward + 3 Reverse गियर हैं। खेती के हर काम जैसे जुताई, बुवाई या ट्रॉली चलाने के लिए यह एक भरोसेमंद ट्रैक्टर है। कुल प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए, 5210 मॉडल में पिछले टायर 14.9 x 28 / 16.9 x 28 इंच और आगे के टायर 6 x 16 / 7.5 x 16 इंच दिए गए हैं। इसमें 43 एचपी वाला छह-स्पलाइन आधारित पीटीओ (PTO) मिलता है। इसके साथ ही, ऑन-रोड और ऑफ-रोड संचालन के दौरान अधिक स्थिरता प्रदान करने के लिए इसमें 2050 मिमी का व्हीलबेस दिया गया है। इसका कुल वजन 2105 किलोग्राम है और इसकी कुल लंबाई 3540 मिमी है। जॉन डियर 5210 ट्रैक्टर की कीमत ₹ 9.13 लाख से ₹ 9.51 लाख के बीच है।

3. जॉन डियर 5310

जॉन डियर 5310 ट्रैक्टर 55 एचपी का ट्रैक्टर है जिसमें का इंजन और 3 सिलेंडर हैं। यह ट्रैक्टर अच्छी पावर देता है, कम डीज़ल खर्च करता है और खेती में बढ़िया प्रदर्शन करता है। इसमें 9 Forward + 3 Reverse गियर हैं। खेती के हर काम जैसे जुताई, बुवाई या ट्रॉली चलाने के लिए यह एक भरोसेमंद ट्रैक्टर है। जॉन डियर का इंजन एक शक्तिशाली 2900 CC

डीज़ल इंजन है, जो 2400 RPM पर 55 HP का आउटपुट देने में सक्षम है। इस मॉडल का ड्राइवट्रेन ट्रांसमिशन से डुअल-क्लच प्लेट टाइप के माध्यम से जुड़ा हुआ है। जॉन डियर 5310 का इंजन भारी-भरकम कार्यों और विश्वसनीयता के लिए मशहूर है। इस ट्रैक्टर के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए इसमें पीछे के टायर 16.9 x 28 / 13.6 x 28 इंच और आगे के टायर 6.5 x 20 इंच के दिए गए हैं। जॉन डियर 5310 ट्रैक्टर की कीमत ₹ 11.76 to 12.23 लाख रूपए तक है।



न्यू हॉलैंड के टॉप 3 ट्रैक्टर - जानें, कीमत, फीचर और स्पेसिफिकेशन्स

2025 में खरीदें ये 3 सबसे ज्यादा बिकने वाले न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर

मेरीखेती के इस लेख में आज हम बेहतरीन ट्रैक्टर और कृषि उपकरण निर्माता ब्रांड न्यू हॉलैंड के तीन सबसे पॉपुलर ट्रैक्टर के बारे में जानेंगे। न्यू हॉलैंड के इन तीन सबसे पॉपुलर ट्रैक्टर में न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर, न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स और न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV शामिल हैं। हर एक किसान को अपनी खेती से जुड़े कार्यों को करने

के लिए ट्रैक्टर की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए आज हम बात करने वाले हैं न्यू हॉलैंड के टॉप 3 ट्रैक्टर के बारे में।

1. न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर ट्रैक्टर की जानकारी

न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स ट्रैक्टर की आकर्षक विशेषताओं के बारे में जानेंगे। यह न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर निर्माता द्वारा किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। न्यू हॉलैंड के इस 45 एचपी ट्रैक्टर में डायफ्राम टाइप सिंगल क्लच है, जो सुचारू और आसान कार्य प्रदान करता है। न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर एक 45 एचपी ट्रैक्टर है। न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर इंजन की क्षमता 2500 सीसी है और इसमें 3 सिलेंडर है जो इंजन रेटेड 2200 आरपीएम उत्पन्न करते हैं। यह संयोजन खरीदारों के लिए बहुत अच्छा है। किफायती कीमत के साथ आने वाले इस न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर की पीटीओ एचपी 41 एचपी है। ट्रैक्टर के अंदर तेल में डूबे हुए मल्टी डिस्क ब्रेक हैं, जो उच्च पकड़ और कम फिसलन प्रदान करते हैं। इसमें 1800 किलोग्राम वजन उठाने की हाइड्रोलिक क्षमता है और न्यू हॉलैंड 3230 टीएक्स सुपर का माइलेज हर क्षेत्र में किफायती है और इसमें 45 लीटर ईंधन टैंक की क्षमता है।

न्यू हॉलैंड 3230 की ट्रैक्टर की कीमत

न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर 3230 की कीमत 7.01 लाख* रुपए के आसपास तय की गई है। न्यू हॉलैंड 3230 ट्रैक्टर की कीमत काफी किफायती है।

2. न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स ट्रैक्टर की जानकारी

न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स एक दमदार और मजबूत ट्रैक्टर है। यह ट्रैक्टर किसानों के लिए एक किफायती और विश्वसनीय विकल्प है, जो बेहतरीन प्रदर्शन के साथ आता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स ने अपने दमदार प्रदर्शन और किफायती कीमत के कारण

किसानों के बीच सबसे हटकर जगह बनाई है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में 39 एचपी का पावरफुल इंजन है, जो हर कृषि कार्य में जबरदस्त परफॉर्मेंस देता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में 2500 सीसी की इंजन क्षमता है, जो लंबे समय तक काम करने पर भी बढ़िया और मजबूत प्रदर्शन प्रदान करती है।

न्यू हॉलैंड 3037 में एडवांस्ड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो इसके परफॉर्मेंस और कंफर्ट दोनों को बेहतर बनाता है। यह ट्रैक्टर रोजमर्रा की खेती की जरूरतों को कुशलता और भरोसे के साथ पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स ट्रैक्टर की विशेषताएं

न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स / 8 फॉरवर्ड + 8 रिवर्स ऑप्शन वाला गियरबॉक्स मिलता है, जो खेत में ऑपरेटर को आसानी से स्पीड और लोड कंट्रोल करने में मदद करता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में मैकेनिकल/ पावर स्टीयरिंग (ऑप्शनल) दी गई है, जिससे लंबे समय तक काम करने पर भी किसान को थकान कम होती है और काम आसान हो जाता है। यह ट्रैक्टर 42 लीटर के फ्यूल टैंक के साथ आता है, जिससे खेत में बिना रुके लंबे समय तक काम किया जा सकता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में 1800 Kg की दमदार लिफ्टिंग कैपेसिटी है, जो हेवी इम्प्लीमेंट्स को आसानी से संभालने में सक्षम बनाती है। यह ट्रैक्टर 2WD व्हील ड्राइव वेरिएंट में उपलब्ध है, जो भरोसेमंद और कुशल संचालन देता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में सिंगल क्लच सिस्टम दिया गया है, जो फील्ड में काम करते समय गियर बदलने को आसान बनाता है और ट्रैक्टर पर बेहतर कंट्रोल देता है। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में मैकेनिकल रियल आयल इमरसेड ब्रेक दिए गए हैं, जो हर तरह की सड़कों और खेतों पर सुरक्षित और जल्दी रुकने में मदद करते हैं। न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स में आयल बाथ टाइप विद प्री-क्लीनर एयर फिल्टर दिया गया है, जो इंजन तक साफ हवा

पहुंचाकर इसकी परफॉर्मेंस और लाइफ को बढ़ाता है।

न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स ट्रैक्टर की कीमत

न्यू हॉलैंड 3037 टीएक्स ट्रैक्टर की एक्स-शोरूम कीमत लगभग ₹ 6.08 लाख* 6.32 लाख* के बीच तय की गई है, जो कि अलग-अलग जगहों पर थोड़ी भिन्न हो सकती है।

3. न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV ट्रैक्टर की जानकारी

न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV ट्रैक्टर भारत के अग्रणी ट्रैक्टर मॉडलों में से एक है, जो अपनी उन्नत कृषि क्षमताओं के लिए जाना जाता है। इसमें तीन सिलेंडर वाला एक मजबूत 65 एचपी इंजन है। यह ट्रैक्टर 64 एचपी की स्थिर पीटीओ शक्ति प्रदान करता है। इसके गियरबॉक्स कॉन्फिगरेशन में 12 फॉरवर्ड गियर और 4/3 रिवर्स गियर शामिल हैं, जिससे नियंत्रण आसान और अच्छा हो जाता है। न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV में 65 एचपी और 3-सिलेंडर इंजन है, जो 2300 आरपीएम उत्पन्न करता है। न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV इंजन क्षमता खेत पर कुशल माइलेज प्रदान करती है। इस मजबूत इंजन में वे सभी गुण हैं, जो उच्च लाभ की गारंटी देते हैं। यह इंजन की परिचालन दक्षता को बढ़ाता है। यह वाटर-कूल्ड और ड्राई एयर फ़िल्टर का उपयोग करके इंजन की परिचालन क्षमता में सुधार करता है। यह फ़िल्टर इंजन को साफ और ठंडा रखता है। ज्यादा गरम होने और धूल जमा होने जैसी समस्याओं से बचाता है। न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV एक शक्तिशाली ट्रैक्टर है, जिसका माइलेज अच्छा है। 5620 TX प्लस ट्रेम IV ट्रैक्टर खेत में उच्च प्रदर्शन प्रदान कर सकता है। इसका PTO 64 hp है, जो विभिन्न कृषि अनुप्रयोगों के लिए संलग्न कृषि उपकरणों को शक्ति प्रदान करता है।

न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV की विशेषताएँ

न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV एक विश्वसनीय

और उच्च गुणवत्ता वाला ट्रैक्टर है जिसे आधुनिक किसानों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी विभिन्न गुणवत्ता विशेषताएँ इसे कृषि कार्यों के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बनाती हैं। इस ट्रैक्टर की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:- यह ट्रैक्टर उपयोगकर्ता के अनुकूल है, जो इसे अनुभवी और नौसिखिए किसानों के लिए उपयुक्त बनाता है। इसके नियंत्रण सहज हैं, और इन्हें प्रभावी ढंग से चलाना सीखने में बहुत कम समय लगता है। ट्रैक्टर में एक आरामदायक केबिन है जिससे आपको लंबे समय तक काम करने के दौरान भी थकान महसूस नहीं होगी। यह आपकी उत्पादकता और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। न्यू हॉलैंड 5620 में 12 फॉरवर्ड + 3 रिवर्स गियरबॉक्स हैं और यह 2000 किलोग्राम तक का वजन उठा सकता है। न्यू हॉलैंड 5620 Tx Plus Trem IV ट्रैक्टर का उपयोग जुताई और रोपण से लेकर घास काटने और परिवहन तक, विभिन्न कार्यों के लिए किया जा सकता है। इस बहुमुखी प्रतिभा का मतलब है कि आप एक ही उपकरण से ज़्यादा काम कर सकते हैं। न्यू हॉलैंड मजबूत और विश्वसनीय मशीनें बनाने के लिए जाना जाता है। 5620 TX प्लस ट्रेम IV भी इसका अपवाद नहीं है। इसे रोजमर्रा के कृषि कार्यों की कठिनाइयों को झेलने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह वर्षों तक चलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV में उच्च-गुणवत्ता वाली एक्सेसरीज की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। कंपनी इन एक्सेसरीज को छोटे ट्रैक्टरों और खेतों के रखरखाव को आसान बनाने के लिए तैयार करती है। इसके अलावा, न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV पर 6000 घंटे/6 साल की वारंटी भी प्रदान करता है।

न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV ट्रैक्टर की कीमत

भारत में 2025 में न्यू हॉलैंड 5620 टीएक्स प्लस ट्रेम IV की कीमत ₹ 11.83 लाख से शुरू होती है। यह 3 सिलेंडर वाला 65 HP का ट्रैक्टर है।

लगे हटके करे हटके

बोल्ड एंड ब्लैक

DIGITRAC
PP43i

37.3 kW श्रेणी

50 HP श्रेणी





न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन: 50 एचपी श्रेणी में एक मजबूत और विश्वसनीय ट्रैक्टर

जानिए न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन के बारे में

किसान भाइयों, मेरीखेती के इस लेख में आज हम जानेंगे न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन जैसे जबस्दस्त ट्रैक्टर के बारे में। अगर आप भी कोई ट्रैक्टर खरीदना चाहते हैं तो इस लेख में आपको न्यू हॉलैंड 3630 TX स्पेशल एडिशन के बारे में सभी विस्तृत जानकारी हम देने वाले हैं। ट्रैक्टर को किसान का सच्चा साथी कहा जाता है। इसलिए आज हम न्यू हॉलैंड 3630 TX स्पेशल एडिशन की कीमत, एचपी, इंजन स्पेसिफिकेशन्स आदि के बारे में जानेंगे।

न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन ट्रैक्टर इंजन कैपेसिटी

न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन 50 एचपी ट्रैक्टर है, जिसमें 3-सिलेंडर और एक शक्तिशाली 2931 सीसी इंजन है, जो 2100 इंजन रेटेड आरपीएम जनरेट करता है। न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स

स्पेशल एडिशन इंजन कैपेसिटी माइलेज प्रदान करती है और उबड़-खाबड़ क्षेत्रों के कार्यों में सहायता करती है। न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन ट्रैक्टर की पीटीओ एचपी 46 है, जो सभी कृषि उपकरणों को मैक्सिमम पावर प्रदान करता है। इसका ड्राई एयर फिल्टर ट्रैक्टर की अंदर की संरचना को साफ रखता है और धूल के कणों से बचाता है, जिससे ट्रैक्टर काफी लंबे समय तक कार्य करता है।

न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन के शानदार फीचर्स

न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन (New Holland 3630 Tx Special Edition) ट्रैक्टर में आपको बहुत सारे हटकर फीचर्स मिलते हैं, जो इसे सभी भारतीय किसानों के लिए काफी बेहतर बनाते हैं। इस ट्रैक्टर मॉडल का निर्माण किसानों की मांग और जरूरत को ध्यान में रखकर किया गया है। यह समतल व उबड़ खाबड़ इलाकों की सतहों के लिए एकदम

परफेक्ट ट्रैक्टर है। इसके साथ ही यह विभिन्न मौसम और मिट्टी में आसानी से चल सकता है।

छोटे और मध्यम किसान न्यू हॉलैंड 3630 की कीमत 2025 आसानी से वहन कर सकते हैं।

न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन के फीचर्स निम्नलिखित हैं :-

- न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन इंडिपेंडेंट क्लच लीवर के साथ डबल-क्लच में आता है।
- इसमें 12 फॉरवर्ड + 3 रिवर्स गियरबॉक्स हैं।
- इसके साथ ही, न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन की फॉरवर्ड स्पीड 1.83-30.84 किमी प्रति घंटे और रिवर्स स्पीड 2.59-13.82 किमी प्रति घंटा है।
- न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन में मैकेनिकली एक्चुएटेड तेल में डूबे हुए मल्टी डिस्क ब्रेक मिलते हैं।
- न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन स्टीयरिंग टाइप की बात करें तो इसमें स्मूथ पावर स्टीयरिंग है।
- इसमें आपको खेतों में लंबे समय तक कार्य के लिए 60 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है।
- न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन में असिस्ट रैम के साथ 1700/2000 मजबूत पुलिंग कैपेसिटी है।
- इसमें सेफ्टी और आरामदायक सीट मिलती है जो ऑपरेटर के ड्राइविंग को स्मूथ बनाती है।
- इसमें सभी आरामदायक और सेफ्टी फीचर्स हैं जो ऑपरेटर के तनाव को दूर करती हैं।
- न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर मॉडल में कम मेंटीनेंस और हाई फ्यूल एफिसिएंसी की क्षमता होती है, जिससे पैसे की बचत होती है।

न्यू हॉलैंड 3630 TX स्पेशल एडिशन ट्रैक्टर की कीमत

भारतीय वाणिज्यिक वाहन बाजार में न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन की कीमत 9.75 लाख* (एक्स-शोरूम कीमत) उचित और बहुत सस्ती है। सभी



भारत के टॉप 10 शक्तिशाली ट्रैक्टर 2025 - जानें, खासियत और लाभ

2025 में भारत के टॉप 10 ट्रैक्टर फीचर्स, स्पेसिफिकेशन और कीमत

Top 10 Powerful Tractors: भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ आधे से अधिक लोग खेती-बाड़ी पर निर्भर हैं। खेती की बात आते ही ट्रैक्टर का महत्व अपने आप सामने आ जाता है। आधुनिक समय में खेती करना ट्रैक्टर के बिना बेहद कठिन हो गया है। आज लगभग हर कृषि और बागवानी कार्य में ट्रैक्टर का प्रयोग किया जाता है। ट्रैक्टर के साथ कई तरह के उपकरण जैसे रोटोवेटर, हैरो, कल्टीवेटर, ट्रेलर, मल्लर आदि जोड़कर खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तक सभी काम आसानी से किए जाते हैं।

इसी वजह से हर किसान के लिए ट्रैक्टर एक आवश्यक मशीन बन चुका है। यदि आप भी किसान हैं और अपने लिए सही ट्रैक्टर की खोज कर रहे हैं,

तो यह लेख आपके लिए बेहद उपयोगी है। यहाँ हम मेरीखेति के माध्यम से 2025 में भारत के टॉप 10 ट्रैक्टर की जानकारी साझा कर रहे हैं, जिससे आप अपनी जरूरत के अनुसार सही ट्रैक्टर चुन सकें।

1. महिंद्रा 275 डीआई टी यू (Mahindra 275 DI TU)

महिंद्रा 275 डीआई टी यू महिंद्रा कंपनी का शक्तिशाली ट्रैक्टर मॉडल है जो की 39 HP की पावर के साथ में आता है। इस ट्रैक्टर के इंजन की क्यूबिक कैपेसिटी 2048 CC दी गयी है और 3 सिलेंडर इस ट्रैक्टर में आपको मिल जाते हैं। इसमें 8 Forward +2 Reverse गियर हैं। खेती के हर काम जैसे इस जुताई, बुवाई या ट्रॉली चलाने के लिए यह एक भरोसेमंद ट्रैक्टर है। महिंद्रा 275 डीआई टी यू की पीटीओ पावर 33.4 की आती है। इस ट्रैक्टर में कूलिंग सिस्टम लिक्विड कूल्ड कंपनी ने दिया है। ट्रैक्टर को नियंत्रित करने के लिए इसमें तेल में डूबे ब्रेक दिए गए हैं। पावर स्टीयरिंग इस ट्रैक्टर में आता है। लंबे समय तक कार्य करने के लिए इस ट्रैक्टर में कंपनी ने 47 लीटर का ईंधन तक इसमें दिया है। महिंद्रा 275 डीआई टी यू की वजन उठाने की क्षमता 1200 किलोग्राम की दी गयी है। इस ट्रैक्टर के फ्रंट टायर 6.00 x 16 और रियर टायर 13.6 x 28 के दिए गए हैं। महिंद्रा 275 डीआई टी यू ट्रैक्टर की कीमत ₹ 6.38 लाख रूपए तक है।

2. स्वराज 855 एफई (Swaraj 855 FE)

स्वराज 855 एफई एक दमदार और भरोसेमंद ट्रैक्टर है, जो खासतौर पर भारतीय किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। स्वराज 855 एफई एक 48 एचपी वाला ट्रैक्टर है। इस ट्रैक्टर के इंजन की क्यूबिक कैपेसिटी 3478 CC दी गयी है और 3 सिलेंडर इस ट्रैक्टर में आपको मिल जाते हैं। इसमें 8 फॉरवर्ड +3 रिवर्स गियर हैं। खेती के हर काम जैसे इस जुताई, बुवाई या ट्रॉली चलाने के लिए यह एक भरोसेमंद ट्रैक्टर है। स्वराज 855 एफई की पीटीओ पावर 42.9 की आती है। इस ट्रैक्टर में कूलिंग सिस्टम

लिक्विड कूल्ड कंपनी ने दिया है। ट्रैक्टर को नियंत्रित करने के लिए इसमें ड्राई डिस्क ब्रेक /आयल इमरसेड ब्रेक (ऑप्शनल) दिए गए हैं। पावर स्टीयरिंग इस ट्रैक्टर में आता है। लंबे समय तक कार्य करने के लिए इस ट्रैक्टर में कंपनी ने 62 लीटर का ईंधन तक इसमें दिया है। स्वराज 855 एफई की वजन उठाने की क्षमता 2000 किलोग्राम की दी गयी है। इस ट्रैक्टर के फ्रंट टायर 6.00 X 16 / 7.50 X 16 और रियर टायर 16.9 X 28 / 14.9 X 28 के दिए गए हैं। स्वराज 855 एफई ट्रैक्टर की कीमत ₹ 8.46 - 8.81 लाख रूपए तक है।

3. महिंद्रा 265 डीआई (Mahindra 265 DI)

महिंद्रा 265 में 30 एचपी की इंजन पावर, 3 सिलेंडर और 2048 सीसी क्यूबिक कैपेसिटी वाला इंजन है, जो 1900 आरपीएम जनरेट करता है और खेती से जुड़े किसी भी भारी भरकम काम को आसानी से अंजाम दे सकता है। इस ट्रैक्टर में कूलिंग सिस्टम लिक्विड कूल्ड कंपनी ने दिया है। इस 2डब्ल्यूडी ट्रैक्टर का इंजन खेतों में लंबे समय तक कड़ी मेहनत करने के लिए पर्याप्त पावरफुल है। इसमें 8 फॉरवर्ड +3 रिवर्स गियर हैं। ट्रैक्टर को नियंत्रित करने के लिए इसमें ऑयल इमरसेड ब्रेक्स दिए गए हैं। लंबे समय तक कार्य करने के लिए इस ट्रैक्टर में कंपनी ने 45 लीटर का ईंधन तक इसमें दिया है। महिंद्रा 265 डीआई की वजन उठाने की क्षमता 1200 किलोग्राम की दी गयी है। इस ट्रैक्टर के फ्रंट टायर 6.00 X 16 और रियर टायर 12.4 X 28 के दिए गए हैं। महिंद्रा 265 डीआई ट्रैक्टर की कीमत ₹ 5.46 - 5.69 लाख रूपए तक है।

4. स्वराज 744 एक्स टी (Swaraj 744 XT)

स्वराज 744 एक्स टी स्वराज कंपनी का शक्तिशाली ट्रैक्टर मॉडल है इस ट्रैक्टर की इंजन पावर 50 एचपी है। ट्रैक्टर में 3-सिलेंडर 3478 सीसी इंजन के साथ

2000 आरपीएम उत्पन्न करता है। ट्रैक्टर में शक्तिशाली गियरबॉक्स के साथ, इसमें 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स गियर शामिल हैं, जो नियंत्रित गति प्रदान करते हैं। स्वराज 744 एक्स टी ट्रैक्टर में आपको ऑयल इमर्सिड ब्रेक मिल जाते हैं। स्वराज 744 एक्स टी ट्रैक्टर में आपको मैकेनिकल/ पावर स्टीयरिंग (ऑप्शनल) में मिल जाता है। इस ट्रैक्टर में 6.0 x 16 / 7.50 x 16 साइज में फ्रंट टायर और 14.9 x 28 साइज में रियर टायर उपलब्ध हैं। स्वराज 744 एक्स टी में 56 लीटर का फ्यूल टैंक आपको मिल जाता है। स्वराज 744 एक्स टी ट्रैक्टर की कीमत 7.52-7.82 लाख रूपए तक है।

5. आयशर 380 (Eicher 380)

आयशर 380 ट्रैक्टर भी दमदार इंजन के साथ में आता है, आयशर 380 ट्रैक्टर 3 सिलेंडरों के साथ 40 एचपी की शक्ति प्रदान करता है। इस ट्रैक्टर को खेतों में बेहतर कार्य करने और बेहतर परिणाम प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इंजन की क्षमता 2500 सीसी है और अत्यधिक शक्तिशाली है। इस ट्रैक्टर में 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स गियर्स आपको मिल जाते हैं। आयशर 380 ट्रैक्टर में आपको ड्राई डिस्क ब्रेक /आयल इमर्सिड ब्रेक (ऑप्शनल) में मिल जाते हैं। स्टीयरिंग में भी मैकेनिकल/ पावर स्टीयरिंग ऑप्शनल है। ट्रैक्टर में 45 लीटर का ईंधन टैंक आपको देखने को मिलता है। आयशर 380 ट्रैक्टर में 6.00 X 16 के फ्रंट टायर और 12.4 X 28 / 13.6 X 28 के रियर टायर आपको मिल जाते हैं। आयशर 380 ट्रैक्टर की कीमत 6.50-6.76 लाख रूपए तक है।

6. जॉन डियर 5050 डी (John Deere 5050 D)

जॉन डियर 5050 डी ट्रैक्टर 50 एचपी के शक्तिशाली इंजन के साथ आता है। ट्रैक्टर के इंजन की क्यूबिक कैपेसिटी 2900 cc है, इंजन 2100 ERPM जनरेट करता है। इसका इंजन 3 सिलेंडर के साथ पेश किया गया है। ट्रैक्टर में ड्यूल एलिमेंट के साथ ड्राई टाइप एयर

स्पेशल एडिशन में फुल कांसटेंट मेश / पार्शियल सिंक्रोमेश ट्रांसमिशन आता है। न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन ट्रैक्टर में आयल इमर्सिड ब्रेक आपको मिल जाते हैं। न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन में पावर स्टीयरिंग आता है। न्यू हॉलैंड 3630 टीएक्स स्पेशल एडिशन की कीमत 10.15 लाख रूपए तक है।

सोनालीका के टॉप 3 ट्रैक्टर जो खेती के कार्यों को करेंगे आसान



सोनालीका के टॉप 3 ट्रैक्टर - जानें, ट्रैक्टर की कीमत, फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

सोनालीका के टॉप 3 ट्रैक्टर के फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

भारत में सबसे बड़ा ट्रैक्टर निर्यात ब्रांड, सोनालिका ट्रैक्टर्स हमेशा से अपने उन्नत तकनीक से सम्पूर्ण ट्रैक्टर्स द्वारा बेजोड़ प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। विदेशों में सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाला ट्रैक्टर ब्रांड, सोनालिका ट्रैक्टर्स वर्तमान में भारत से नंबर 1 ट्रैक्टर एक्सपोर्ट ब्रांड है। इस लेख में हम आपको सोनालीका के टॉप 3 ट्रैक्टर के बारे में जानकारी देंगे।

1. सोनालिका डीआई 730 II HDM

सोनालिका डीआई 730 II HDM ट्रैक्टर शक्तिशाली 2 सिलेंडर 30 एचपी इंजन से लैस है, सोनालिका डीआई 730 II HDM 1800 रेटेड आरपीएम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन और उत्पादकता प्रदान करता है। सोनालिका डीआई 730 को विशेष रूप से भारत के किसान की समृद्धि के लिए डिज़ाइन किया गया है। ट्रैक्टर में एयर क्लीनर वेट टाइप दिया गया है। इस ट्रैक्टर के इंजन की क्यूबिक कैपेसिटी 2044 CC की दी गयी हैं। सोनालिका डीआई 730 II HDM ट्रैक्टर में साइड शिफ्ट टाइप 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स गियरबॉक्स और स्लाइडिंग मेश ट्रांसमिशन दिया गया है। सोनालिका डीआई 730 ट्रैक्टर के ईंधन टैंक की कैपेसिटी 55 लीटर है। Sonalika Sikander DLX सोनालिका डीआई 730 ट्रैक्टर 6.00 X 16 सामने के टायर का आकार और 12.4 X 28 पिछले टायर का आकार होने के कारण, सोनालिका डीआई 730 OIB ब्रेक के साथ बेहतर वाहन नियंत्रण प्रदान करता है। इस ट्रैक्टर की कीमत ₹ 4.54 - 4.72 लाख रूपए तक है।

2. सोनालीका डीआई 60

सोनालीका डीआई 60 ट्रैक्टर में 60 हॉर्सपावर (hp) का शक्तिशाली इंजन दिया गया है। इस ट्रैक्टर में 3707 सीसी क्षमता वाला 4 सिलेंडर वाला वाटर कूल्ड इंजन है। कंपनी का यह ट्रैक्टर 2200 रेटेड आरपीएम पर बेहतरीन प्रदर्शन करता है। सोनालीका डीआई 60 ट्रैक्टर में कांस्टेंट मेश ट्रांसमिशन सिस्टम है। इसके गियरबॉक्स में 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स गियर होते हैं। सोनालीका डीआई 60 ट्रैक्टर में 62 लीटर का डीजल टैंक है, जिससे आप लंबे समय तक बिना रुके कार्य कर सकते हैं। ट्रैक्टर के फ्रंट टायर 6.00 X 16 और रियर टायर 16.9 x 28 के होते हैं। सोनालीका डीआई 60 ट्रैक्टर 2000 किलोग्राम वजन उठाने की क्षमता रखता है, जिससे आप ढुलाई का कार्य आसानी से कर सकते हैं। सोनालीका डीआई 60 ट्रैक्टर की कीमत लगभग 8.35 लाख से 8.70 लाख रूपए तक है। कीमत में थोड़ा भेद स्थान के हिसाब से देखा जा सकता है।

3. सोनालिका डीआई 750 III

सोनालिका डीआई 750 III शक्तिशाली 4 सिलेंडर 55 एचपी इंजन से लैस, डीआई 750 III 2200 रेटेड आरपीएम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करता है। ये ट्रैक्टर सिंक्रो शटल टाइप ट्रांसमिशन और 8F+2R/12F+3R/12F+12R गियरबॉक्स के साथ में आता है। मैकेनिकल/पावर स्टीयरिंग विकल्प के साथ, इसे भारत के किसानों के बेहतर आराम के लिए एर्गोनोमिक सीट के साथ डिज़ाइन किया गया है। 7.5 x 16 आगे के टायर का आकार और 16.9 X 28 / 14.9 X 28 पिछले टायर का आकार है। इसमें 2000 किलोग्राम की लिफ्ट क्षमता और सर्वोत्तम परिचालन परिणामों के लिए सटीक हाइड्रोलिक्स भी है। इस ट्रैक्टर की कीमत की बात करें तो इस ट्रैक्टर की कीमत 7.74-8.05 लाख रूपए तक है। ट्रैक्टर की कीमत कंपनी ने किसानों के बजट के हिसाब से तय की है।



इंडो फार्म 3035 डीआई किसानों के लिए शानदार ट्रैक्टर

इंडो फार्म 3035 डीआई एक शक्तिशाली और भरोसेमंद ट्रैक्टर है, जिसे किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। यह ट्रैक्टर अपने बेहतर प्रदर्शन

आरामदायक डिजाइन और बहु-उपयोगी क्षमताओं के कारण आज की खेती के लिए एक आदर्श विकल्प बन चुका है। यह ट्रैक्टर विशेष रूप से उन किसानों के लिए उपयोगी है जो खेती के साथ-साथ परिवहन जैसे कार्यों में भी मशीन का इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसकी खासियतों में ड्राई या ऑइल इमर्स्ड ब्रेक्स, ड्यूल क्लच और मैकेनिकल अथवा पावर स्टीयरिंग विकल्प शामिल हैं, जो इसे लंबे समय तक चलाने में भी थकान रहित और आरामदायक बनाते हैं।

इंडो फार्म 3035 डीआई: फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

इस ट्रैक्टर में 38 एचपी कैटेगरी का शक्तिशाली इंजन लगाया गया है, जो 2100 आरपीएम पर बेहतरीन प्रदर्शन करता है। इसमें 3 सिलेंडर इंजन है जो अधिक पावर और दक्षता प्रदान करता है। इसका एयर क्लीनर ड्राई टाइप का होता है और फ्यूल पंप बोश इंडिया कंपनी का इनलाइन सिस्टम आधारित है। इंजन को ठंडा बनाए रखने के लिए वाटर कूलिंग सिस्टम दिया गया है, जिससे इंजन की लंबी उम्र सुनिश्चित होती है। इस ट्रैक्टर में सिंगल क्लच सिस्टम के साथ मेटालिक मेन डिस्क दी गई है। लिफ्टिंग कैपेसिटी की बात करें तो यह 1400 किलोग्राम से 1500 किलोग्राम (विकल्प के रूप में) भार उठाने में सक्षम है। इसमें 12 वोल्ट्स, 75 Ah की बैटरी, सेल्फ स्टार्टर मोटर और अल्टरनेटर भी दिया गया है। ट्रैक्टर के टायर्स की बात करें तो इसमें आगे के लिए 6.00x16 और पीछे के लिए 12.4x28 साइज के टायर दिए गए हैं। इसकी कुल लंबाई 3600 मिमी, चौड़ाई 1670 मिमी और ऊंचाई 1615 मिमी है, वहीं इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 385 मिमी है और कुल वजन 1980 किलोग्राम है।

पीटीओ और ट्रांसमिशन सिस्टम

इस ट्रैक्टर में 6-स्प्लाइन पीटीओ शाफ्ट दी गई है जिसकी स्पीड 1000 RPM है। ट्रांसमिशन के लिए इसमें 8 फॉरवर्ड और 2 रिवर्स गियर बॉक्स का विकल्प मिलता है जो विभिन्न प्रकार की कृषि गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

स्टीयरिंग की बात करें तो इसमें मैकेनिकल रिसर्कुलेटिंग बॉल टाइप स्टीयरिंग है, साथ ही पावर स्टीयरिंग का विकल्प भी मौजूद है। स्टीयरिंग व्हील का डायामीटर 430 मिमी है और टर्निंग रेडियस 3.2 मीटर है, जिससे यह तंग जगहों पर भी आसानी से मुड़ सकता है।

ब्रेकिंग सिस्टम में DRY डबल डिस्क ब्रेक्स के साथ-साथ तेल में डूबे हुए ब्रेक्स (ऑप्शनल) का भी विकल्प दिया गया है, जिससे सुरक्षा और नियंत्रण दोनों में सुधार होता है।

आराम और सुविधाएं

इस ट्रैक्टर में एडजस्टेबल और आरामदायक ड्राइवर सीट दी गई है जो लंबी अवधि तक कार्य करने के दौरान थकावट को कम करती है। साथ ही इसमें टो हुक और कॉन्स्टेंट मेश गियरबॉक्स जैसी विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह ट्रैक्टर आंशिक लोड स्थिति में भी बेहतरीन टॉर्क प्रदान करता है, जिससे यह जुताई, सीड ड्रिल, हैरो, पुडलिंग, ढुलाई जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त बनता है।

कीमत और उपलब्धता

इंडो फार्म 3035 डीआई की कीमत ₹5.60 लाख से ₹6.10 लाख (एक्स-शोरूम) तक हो सकती है। हालांकि यह कीमत राज्य, डीलर और टैक्स के आधार पर थोड़ी अलग हो सकती है। यह ट्रैक्टर भारतीय किसानों के लिए एक किफायती और टिकाऊ विकल्प है, जिससे खेती के विभिन्न कार्यों को बेहतर और कुशलतापूर्वक अंजाम दिया जा सकता है।

निष्कर्ष

इंडो फार्म 3035 डीआई ट्रैक्टर एक संतुलित और विश्वसनीय मशीन है, जो न सिर्फ खेती को आसान बनाता है, बल्कि समय और श्रम की भी बचत करता है। इसकी बेहतरीन बनावट, पावरफुल इंजन, आरामदायक डिजाइन और किफायती कीमत इसे

हर किसान की पहली पसंद बनाती है। अगर आप एक ऐसे ट्रैक्टर की तलाश में हैं जो हर मौसम और हर प्रकार की कृषि भूमि पर कार्य कर सके, तो इंडो फार्म 3035 डीआई एक बेहतरीन विकल्प है।



शक्तिशाली इंजन से लैस महिंद्रा ओजा 3132 4WD ट्रैक्टर जानें, फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

महिंद्रा ओजा 3132 4WD ट्रैक्टर मुख्य फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

महिंद्रा द्वारा पेश किया गया Oja Compact Series खासतौर से अंगूर के बागों, बागवानी, सब्जी उत्पादन, धान की खेती और अंतर-संस्कृति कृषि कार्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सीरीज अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है, जो खेती के पारंपरिक तरीकों में सुधार लाकर उत्पादकता बढ़ाने में मदद करती है। इसी श्रृंखला का एक प्रमुख मॉडल है महिंद्रा ओजा 3132 4WD ट्रैक्टर, जो अपने दमदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है।

इंजन पावर और कार्यक्षमता

महिंद्रा ओजा 3132 4WD एक 32 हॉर्सपावर वाले शक्तिशाली इंजन के साथ आता है, जिसमें 3 सिलेंडर लगे हैं और यह 2500 RPM जनरेट करता है। इसका ड्राई टाइप एयर फ़िल्टर इंजन की लंबी उम्र और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। यह ट्रैक्टर बागवानी के साथ-साथ खेत की अन्य गतिविधियों के लिए भी उपयुक्त है। इसकी PTO (पावर टेक-ऑफ) क्षमता 27.5 HP है, जिससे किसान विभिन्न कृषि यंत्रों को आसानी से चला सकते हैं।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स

इस ट्रैक्टर में Constant Mesh with Synchro Shuttle ट्रांसमिशन सिस्टम है, जो स्मूद गियर शिफ्टिंग प्रदान करता है। इसमें 8 फॉरवर्ड और 8 रिवर्स गियर दिए गए हैं। इसके ब्रेक Oil Immersed प्रकार के हैं जो बेहतर सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। ट्रैक्टर की हाइड्रोलिक लिफ्टिंग क्षमता 950 किलोग्राम तक है, जिससे भारी उपकरण उठाना आसान हो जाता है। पावर स्टीयरिंग के कारण इसे चलाना बेहद आसान है, खासकर बागों जैसी तंग जगहों पर।

माइलेज और कीमत

यह ट्रैक्टर न केवल शक्तिशाली है बल्कि ईंधन दक्षता के मामले में भी शानदार प्रदर्शन करता है। इसकी कीमत लगभग ₹6.76 लाख (एक्स-शोरूम) है, हालांकि स्थान के अनुसार इसमें हल्का बदलाव हो सकता है। इसकी कीमत किसानों के बजट को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।

निष्कर्ष

अगर आप बागवानी, धान या सब्जियों की खेती के लिए एक भरोसेमंद, शक्तिशाली और कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर की तलाश में हैं, तो महिंद्रा ओजा 3132 4WD आपके लिए एक उत्कृष्ट विकल्प हो सकता है। इसकी तकनीक, माइलेज और मल्टीटास्किंग क्षमता इसे खास बनाती है।



असली ताक़त बेजोड़ काम ज़बरदस्त कमाई

EICHER 485

45 HP रेंज



वीएसटी सेल्स रिपोर्ट अक्टूबर 2025 वीएसटी कंपनी ने बेचे 4,077 पावर टिलर और 587 ट्रैक्टर



वीएसटी सेल्स रिपोर्ट अक्टूबर 2025: वीएसटी कंपनी ने बेचे 4,077 पावर टिलर और 587 ट्रैक्टर

वीएसटी सेल्स रिपोर्ट अक्टूबर 2025: वीएसटी टिलर्स एंड ट्रैक्टर्स की कुल बिक्री में बड़ी बढ़त

वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर्स लिमिटेड कृषि मशीनीकरण क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक है। कंपनी ने अक्टूबर 2025 में अपनी बिक्री में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी ने पावर टिलर सेगमेंट में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए किसानों के बीच अपनी मजबूत उपस्थिति को और मजबूत बनाया है। वीएसटी ने अक्टूबर 2025 में कुल 4,664 यूनिट्स की बिक्री की जो पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 में बेची गई 2,463 यूनिट्स की तुलना में 89.36% की बढ़ोतरी को दर्शाता है। इस शानदार प्रदर्शन का प्रमुख कारण पावर टिलर की बढ़ती मांग रही, जिसने कंपनी के कुल बिक्री आंकड़ों को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

वीएसटी के पावर टिलर सेगमेंट में जबरदस्त उछाल

अक्टूबर 2025 में कंपनी ने 4,077 पावर टिलर बेचे जो पिछले साल इसी अवधि में बेची गई 1,783 यूनिट की तुलना में 128.66% की जबरदस्त बढ़ोतरी है। यह बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि छोटे और मध्यम किसानों में किफायती तथा कॉम्पैक्ट मशीनीकरण उपकरणों की मांग तेजी से बढ़ रही है। पावर टिलर ग्रामीण और सीमांत किसानों के लिए खेती के साथ-साथ बागवानी और सब्जी उत्पादन में एक उपयोगी साधन बन गए हैं।

वीएसटी के ट्रैक्टर सेगमेंट में हल्की गिरावट

वहीं, ट्रैक्टर सेगमेंट में कंपनी को हल्की गिरावट का सामना करना पड़ा। वीएसटी ने अक्टूबर 2025 में 587 ट्रैक्टर बेचे जबकि अक्टूबर 2024 में यह आंकड़ा 680 था। इस तरह 13.68% की गिरावट दर्ज की गई। यह कमी इस अवधि में ट्रैक्टरों की मध्यम मांग और बाजार में प्रतिस्पर्धा के कारण मानी जा रही है।

वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर बिक्री डेटा अप्रैल से अक्टूबर 2025

VST Tillers & Tractors Ltd. की अप्रैल-अक्टूबर 2025 (प्रति वर्ष-से) बिक्री का विवरण इस प्रकार है। इस अवधि में पावर टिलर्स की बिक्री 28,906 यूनिट्स रही, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2024 में यह 19,108 यूनिट्स थी यानी 51.28% की वृद्धि। ट्रैक्टर की बिक्री इस अवधि में 3,163 यूनिट्स रही, जो पिछली अवधि (3,279 यूनिट्स) की तुलना में लगभग 3.54% कम है। कुल मिलाकर कंपनी ने इस सात-महीने की अवधि में 32,069 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 22,387 यूनिट्स थी — यानी कुल मिलाकर 43.25% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर बिक्री साल-दर-साल (अप्रैल-अक्टूबर) प्रदर्शन

वीएसटी कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल से अक्टूबर 2025) के दौरान भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इस अवधि में VST ने कुल 32,069 इकाइयां बेचीं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बेची गई 22,387 यूनिट्स की तुलना में 43.25% की बढ़त दिखाता है। पावर टिलर सेगमेंट में 51.28% की बढ़ोतरी के साथ कंपनी ने 28,906 यूनिट बेचीं, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2024 में यह आंकड़ा 19,108 था। वहीं, ट्रैक्टर सेगमेंट में मामूली गिरावट दर्ज की गई, जो 3,279 से घटकर 3,163 यूनिट रही।

वीएसटी कंपनी के उज्जवल भविष्य की संभावना

वीएसटी टिलर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड की अक्टूबर 2025 की बिक्री रिपोर्ट से स्पष्ट है, कि कंपनी ने छोटे कृषि मशीनीकरण के क्षेत्र में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। पावर टिलर की बढ़ती मांग और ग्रामीण इलाकों में कृषि उपकरणों के तेजी से बढ़ते उपयोग ने कंपनी को सतत विकास के पथ पर आगे बढ़ाया है। हालांकि, ट्रैक्टर सेगमेंट में मामूली

गिरावट दर्ज की गई, लेकिन कुल बिक्री और बाजार हिस्सेदारी में हुई उल्लेखनीय वृद्धि इस बात का संकेत देती है कि आने वाले महीनों में वीएसटी के लिए विकास और विस्तार की संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल होंगी।



बकरी पालन बिजनेस: टॉप 5 नस्लों से शुरू करें बकरी पालन, मिलेगा शानदार मुनाफा

भारत में बकरियों की टॉप 5 नस्लें, जानें खासियत

बकरी को अक्सर “गरीब की गाय” कहा जाता है, क्योंकि यह कम लागत में अधिक लाभ देने वाला पशु है। आज के समय में बकरी पालन एक तेजी से बढ़ता हुआ व्यवसाय बन चुका है। ग्रामीण इलाकों में यह न केवल पारंपरिक रूप से किया जा रहा है, बल्कि अब एक संगठित और लाभदायक बिजनेस के रूप में भी उभर रहा है। बकरी पालन से जुड़कर कई किसान आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं और अपनी आजीविका में बड़ा सुधार किया है। यदि आप भी बकरी पालन शुरू करना चाहते हैं, तो आपके लिए सही नस्ल का

चयन बेहद महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं भारत की प्रमुख बकरियों की नस्लों और उनकी विशेषताओं के बारे में, ताकि आप अपने क्षेत्र के अनुसार सही नस्ल का चुनाव कर सकें।

भारत में पाई जाने वाली प्रमुख बकरियों की नस्लें

भारत में करीब 19 मान्यता प्राप्त बकरी नस्लें पाई जाती हैं, जिन्हें उनके क्षेत्र के अनुसार वर्गीकृत किया गया है — जैसे हिमालयी क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्र। नीचे कुछ 5 प्रमुख नस्लों का विवरण दिया गया है।

1. पश्मीना बकरी (Pashmina Goat Farming)

- यह नस्ल मुख्य रूप से हिमालयी क्षेत्रों जैसे लद्दाख, लाहौल और स्पीति घाटियों में 3400 मीटर से अधिक ऊंचाई पर पाई जाती है।
- पश्मीना बकरी आकार में छोटी लेकिन बहुत आकर्षक होती है, और इसकी चाल तेज होती है।
- यह नस्ल दुनिया के सबसे मुलायम और गर्म ऊन पश्मीना के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- एक बकरी से औसतन 75 से 150 ग्राम तक पश्मीना प्राप्त होता है, जिससे उच्च गुणवत्ता के कपड़े तैयार किए जाते हैं।

2. जमुनापारी बकरी (Jamunapari Goat Farming)

- उत्तर प्रदेश के इटावा जिले की यह नस्ल देश की सबसे लोकप्रिय बकरियों में से एक है।
- यह आकार में बड़ी, लंबी और सुंदर बकरी होती है, जिसके कान लंबे और लटकते होते हैं।
- नर बकरी का वजन 65 से 86 किलोग्राम तक और मादा का वजन 45 से 61 किलोग्राम तक होता है।
- जमुनापारी बकरी दूध और मांस दोनों के लिए उपयुक्त है — यह प्रतिदिन 2.25 से 2.7 किलोग्राम

तक दूध देती है, जिसमें लगभग 3.5% वसा होती है।

3. बीटल बकरी (Beetal Goat Farming)

- बीटल नस्ल को देश की उत्कृष्ट नस्लों में गिना जाता है। इसका रंग लाल या भूरा होता है, और कई बकरियों पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं।
- नर बकरी का वजन 65-86 किलोग्राम और मादा का 45-61 किलोग्राम होता है।
- मादा बकरी लगभग 1 किलोग्राम प्रतिदिन दूध देती है।
- यह नस्ल पहाड़ी और उत्तरी भारत के लिए उपयुक्त है और इसे दूध व मांस दोनों के लिए पाला जा सकता है।

4. बारबरी बकरी (Barbari Goat Farming)

- यह नस्ल उत्तर प्रदेश के इटावा, एटा, आगरा, मथुरा जिलों और हरियाणा के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
- बारबरी बकरियाँ सफेद, लाल और भूरे रंग के मिश्रण में देखी जाती हैं, जिनके बाल छोटे होते हैं।
- वयस्क नर का वजन 36-45 किलोग्राम और मादा का 27-36 किलोग्राम तक होता है।
- ये 108 दिनों की अवधि में प्रतिदिन 0.9 से 1.25 किलोग्राम तक दूध देती हैं, जिसमें लगभग 5% वसा होती है।

5. बंगला बकरी (Bengal Goat Farming)

- बंगला नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पूर्वी भारत में पाई जाती हैं। ये काले, भूरे और सफेद रंगों में मिलती हैं।
- इनका मांस स्वादिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाला होता है।

नर बकरी का वजन 14-16 किलोग्राम और

- मादा का 9-14 किलोग्राम तक होता है।
- यह नस्ल साल में दो बार बच्चे देती है, जिनमें अक्सर जुड़वाँ बच्चे होते हैं।
- बंगला बकरी की खाल की भी भारत और विदेशों में खास मांग है, खासतौर पर फुटवियर उद्योग में।

बकरियाँ हर प्रकार की जलवायु में आसानी से पाली जा सकती हैं — चाहे ठंडी पहाड़ियाँ हों या गर्म रेगिस्तान। समशीतोष्ण क्षेत्रों में दुधारू नस्लें अधिक पाई जाती हैं, जबकि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मांस व दोहरे उद्देश्य वाली नस्लें अधिक प्रचलित हैं। बकरी कैप्रा (Capra) वंश की सदस्य है और यह बोविडे (Bovidae) परिवार से संबंधित है। अगर आप कम निवेश में अच्छा मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो बकरी पालन एक बेहतरीन विकल्प है — बस सही नस्ल का चुनाव और उचित प्रबंधन से आप इसे सफल व्यवसाय में बदल सकते हैं।



एनीमल टॉक्सआउट पाउडर – पशुओं के स्वास्थ्य का प्राकृतिक सुरक्षा कवच

आपके पशुओं के लिए हर्बल हेल्थ बूस्टर
एनीमल टॉक्सआउट पाउडर

Animax Toxout Powder: पशुपालन में पशुओं का स्वास्थ्य और उनकी उत्पादक क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है। यदि पशु स्वस्थ न हों, तो दुग्ध उत्पादन, प्रजनन क्षमता और उनकी सामान्य गतिविधियों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पशुओं के शरीर में जमा हुए टॉक्सिन या हानिकारक तत्वों को बाहर निकालना अत्यंत आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एनीमल टॉक्सआउट पाउडर को विशेष रूप से तैयार किया गया है। यह एक हर्बल वेटेनरी दवा है जो प्राकृतिक तत्वों से निर्मित है और पशुओं के शरीर को अंदर से शुद्ध कर उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करती है।

एनीमल टॉक्स आउट पाउडर की मुख्य विशेषताएं

- प्रोडक्ट का नाम - एनीमल टॉक्सआउट पाउडर (Animal Toxout Powder)
- दवा का प्रकार - हर्बल वेटेनरी मेडिसिन
- भौतिक रूप - पाउडर
- सामग्री (Ingredients) - विशेष हर्बल सॉल्यूशन कंपाउंड (नीम की पत्तियों का रस, सोडियम फॉर्मेट, एक्टिवेटेड चारकोल व फाइलीसिलिकेट्स से युक्त एक शक्तिशाली टॉक्सिन बाइंडर)
- उपयोग हेतु अनुशंसित - गाय, भैंस, बैल, बछड़ा आदि सभी प्रकार के पशुओं के लिए
- पैकिंग - 1 किलोग्राम, 2 किलोग्राम, 25 किलोग्राम पैक
- स्टोरेज - सामान्य कमरे के तापमान पर रखें

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर का उपयोग और लाभ

पशुओं के शरीर में समय के साथ खराब आहार, दूषित पानी, कीटनाशकों या रासायनिक दवाओं के कारण विषैले तत्व जमा हो सकते हैं। ये टॉक्सिन पशुओं में कमजोरी, अपच, भूख न लगना, दूध की

मात्रा कम होना, रोगों की संभावना बढ़ना और थकान जैसी समस्याएँ पैदा करते हैं। एनीमल टॉक्सआउट पाउडर इन सभी समस्याओं को खत्म करने में अत्यंत कारगर है।

पशुपालक मित्रों, निम्नलिखित परिस्थितियों में टॉक्सआउट पाउडर का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए

- जब पशुओं को बार-बार थनेला हो रहा है।
- जब पशु लगातार पतला गोबर कर रहा है।
- जब पशु के दूध से बदबू आ रही है।
- जब दूध की दही अच्छी नहीं जम रही है।
- जब पशु इलाज के बाद भी बार-बार बीमार पड़ रहा हो।

पशुपालक मित्रों, फसलों में अत्याधुनिक खाद के इस्तेमाल के कारण आजकल हम खाने के माध्यम से जो जहर खा रहे हैं, उसके प्रभाव को कम करने के लिए टॉक्सआउट पाउडर का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए।

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर के मुख्य लाभ

1. एनीमल टॉक्सआउट पाउडर टॉक्सिन बाहर निकालता है: यह पशुओं के शरीर में जमा हानिकारक तत्वों को प्राकृतिक रूप से बाहर निकालता है।
2. पाचन तंत्र मजबूत: यह पाचन शक्ति एवं चयापचय प्रक्रिया में सुधार करता है।
3. भूख बढ़ाता है: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर भूख कम होने वाली स्थिति में भी यह दवा भूख बढ़ाकर शरीर में पोषण पहुँचाती है।
4. दूध उत्पादन में वृद्धि: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर गाय-भैंसों में दूध की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार।
5. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर पशुओं को बीमारियों से लड़ने की क्षमता देता है।
6. पूरी तरह सुरक्षित: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर में

किसी भी रासायनिक तत्व का प्रयोग नहीं किया गया है, इसलिए यह बिना किसी साइड इफेक्ट के है।

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर को कैसे उपयोग करें

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर की मात्रा पशु के वजन और स्थिति के अनुसार वेटरनरी डॉक्टर की सलाह से दें। एनीमल टॉक्सआउट पाउडर को चारे या दाने में मिलाकर आसानी से पशु को खिलाया जा सकता है।

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर की खुराक

बड़े पशुओं में – 50 ग्राम प्रतिदिन

छोटे पशुओं में – 25 ग्राम प्रतिदिन

(1.5 – 2 किलोग्राम प्रति टन दाना के लिए)

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर की व्यापार और आपूर्ति संबंधित जानकारी

- न्यूनतम ऑर्डर मात्रा - 100 पैक
- भुगतान विधि - कैश इन एडवांस
- सप्लाई क्षमता - 5000 पैक प्रति माह
- डिलीवरी समय - 7-10 दिन
- उपलब्धता - पूरे भारत में डिलीवरी

क्यों चुनें एनीमल टॉक्सआउट पाउडर?

एनीमल टॉक्सआउट पाउडर हर्बल और सुरक्षित होता है और ये इस्तेमाल में आसान है। पाउडर लंबे समय तक असरदार रहता है और बेहतर पशु स्वास्थ्य और उच्च उत्पादकता के लिए किफायती और विश्वसनीय है। अगर आप अपने पशुओं को हर प्रकार की अंदरूनी अशुद्धियों और विषाक्त तत्वों से मुक्त रखना चाहते हैं और उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाना चाहते हैं, तो एनीमल टॉक्सआउट पाउडर एक श्रेष्ठ और लाभकारी विकल्प है। यह प्राकृतिक तत्वों से बना है, इसलिए इसके इस्तेमाल से किसी भी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता। इसका नियमित उपयोग आपके पशुओं को स्वस्थ, सक्रिय

और उत्पादक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल और उनके जबाव

प्रश्न: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर(Animax Toxout Powder) क्या है?

उत्तर: यह एक हर्बल वेटेनरी दवा है जो पशुओं के शरीर में जमा हानिकारक टॉक्सिन को बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करती है।

प्रश्न: यह किस-किस पशु के लिए उपयोगी है?

उत्तर: गाय, भैंस, बैल, बछड़ा समेत सभी प्रकार के दुग्ध एवं कार्यशील पशुओं के लिए।

प्रश्न: यह किस रूप में उपलब्ध है?

उत्तर: यह पाउडर के रूप में उपलब्ध है और 1 किलोग्राम, 2 किलोग्राम , 25 किलोग्राम पैक में आता है।

प्रश्न: एनीमल टॉक्सआउट पाउडर का मुख्य लाभ क्या है?

उत्तर: यह शरीर से विषैले तत्व निकालता है, पाचन शक्ति बढ़ाता है, भूख सुधारता है और दूध उत्पादन में वृद्धि करता है।

प्रश्न: क्या यह दवा सुरक्षित है?

उत्तर: हां, यह पूरी तरह हर्बल है और इसमें किसी भी तरह के रसायन नहीं होते, इसलिए साइड इफेक्ट नहीं होता।



किसानो की बात मेरी खेती के साथ



www.merikheti.com

Contact No : +91 8800777501

Address : 5A-46, 6th Floor, Cloud 9 Tower, Vaishali,
Sector -1, Ghaziabad - 201010